राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ0प्र0)

(नैक तृतीय चक्र पूर्ण)

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति कार्यक्रम (द्वितीय चरण) के अन्तर्गत

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

विषय: ऊर्जा प्रौद्योगिकी में महिलाओं के लिए सम्भावनायें

दिनांक: 01/01/2021

समय- 2:00- 3:00 बजे अपराहन

डॉ0 पी0के0 वार्ष्णेय
प्राचार्य / संरक्षक

समन्वयक

कार्यक्रम विवरण

(दिनांक : 01/01/2021 समय : अपराहन 2 बजे से 3 बजे तक)

क0 संख्या	कार्यक्रम विवरण	वक्ता
1	कार्यक्रम परिचय / संचालन	डॉ0 बेबी तबस्सुम
2	शुभारंभ की घोषणा एवं उदबोधन	डॉ0 सीमा तेवतिया
3	मुख्य वक्ता	डॉ0 गरिमा जैन HEAD & ASSOCIATE PROFESSOR DEPARTMENT OF PHYSICS D.A.V (PG) COLLEGE MUZAFFAR NAGAR
4	धन्यवाद ज्ञापन	डॉ0 सुमन लता

संयोजक: डॉ0 बेबी तबस्सुम

आयोजक: डॉ0 सुमन लता

रिपोर्ट संकलन एवं सम्प्रेषण: डॉ0 अमित अग्रवाल

Link- https://meet.google.com/wva-fmuo-pzi

GOVT. RAZA POST GRADUATE COLLEGE, RAMPUR

Re-accredited 'B' by NAAC

Affiliated by M.J.P Rohilkhand University, Bareilly

वेबिनार आख्या

कार्यालय,राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर ,उ0प्र0

दिनाँक**: 01/01/2021**

आज दिनाँक 01/01/2021 को अपराह्न 02:00 बजे से 3:00 बजे तक राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर में 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम के संरक्षक डॉ0 पी0 के0 वार्ष्णेय के निर्देशन में **'ऊर्जा प्रौद्योगिकी में महिलाओं के लिए संभावनायें'** विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। डॉ. अरुण कुमार ने 25.12.2020 को विगत सेमिनार की आख्या प्रस्तुत करते हुए बताया कि मुख्य वक्ता डॉ0 रीता चौधरी , प्रोफेसर , लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ने कहा कि मिशन शक्ति कार्यक्रम के माध्यम से समानता, स्वतंत्रता एवं अधिकार इन तीन बिंदुओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें स्त्रियों को सशक्त करना होगा। 'पढें बेटियाँ बढ़ें बेटियाँ ' आदि नारों को हम देखते एवं सुनते आ रहे हैं । अनेक सरकारी एवं गैर सरकारी स्तर पर महिलाओं को शिक्षित एवं स्वावलंबी बनाने का प्रयास किया जा रहा है । फिर भी लिंगानुपात एवं शिक्षा की दृष्टि से वर्तमान में इनकी स्थिति संतोषजनक नहीं है। सत्तर वर्ष की स्वतंत्रता पूर्ण कर लेने के उपरांत भी आज सरकार को मिशन शक्ति कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता पड़ रही है । उन्होंने आदिकाल से लेकर अब तक के कवियों एवं साहित्यकारों द्वारा नारी उत्थान के लिए किए गए प्रयासों को विस्तार पूर्वक बताया । उन्होंने मध्यकालीन कवियों कबीर, तुलसी, मीरा आदि के दृष्टिकोण में नारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

आधुनिक काल में भारतेन्दु से लेकर अब तक के कविता , कहानी, नाटक, एकांकी, उपन्यास आदि साहित्यिक विधाओं में चित्रित बाल विवाह, बेमेल विवाह, सती प्रथा, वेश्यावृत्ति, स्त्री शिक्षा, समानता स्वतंत्रता, संघर्ष, आत्मनिर्भरता एवं निडरता तथा उसके कर्तव्य एवम उत्तरदायित्व के बोध को विस्तार से बताया । उन्होंने कहा कि स्त्री की प्रत्येक समस्याओं का समाधान संविधान में सन्निहित है। यदि हम समाज मे परिलक्षित एवं साहित्य में चित्रित नारी समस्याओं का संवैधानिक तरीके से समाधान करें तो सरकार द्वारा चलाया गया यह 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम पूर्ण रूप से सफल होगा। इसके लिए शिक्षा में सामाजिक संस्कारों का समाहार अत्यन्त आवश्यक है।इसके लिए यदि सामाजिक और धार्मिक बंधनो एवं विधानों को पुनर्व्याख्यायित करने की आवश्यकता पड़े तो इसमें संकोच नहीं करना चाहिए।

कार्यक्रम का परिचय/संचालन, डॉ.बेबी तबस्सुम ने किया, और बताया कि ऊर्जा परिवर्तनशील है और ऊर्जा को नष्ट नहीं किया जा सकता, वह आवश्यकतानुसार परिवर्तित रूप में प्रयोग की जाती है| इसी प्रकार हमारी महिलाओं की ऊर्जा का प्रयोग भी परिवर्तन कर कर किया जा सकता है| वह मां, बेटी, बहु, बहन आदि के रूप में अपनी उर्जा हमें देती हैं| महिलाओं को प्रबल बनाने के लिए मिशन शक्ति अभियान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है| कार्यक्रम की घोषणा एवं उदबोधन डॉ. सीमा तेवतिया ने किया और मुख्य वक्ता के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी |

मुख्य वक्ता डॉक्टर गरिमा जैन, हैड एवं एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, डी.ए.वी.स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुजफ्फरनगर ने कहा , धरती पर मनुष्य को विभिन्न स्रोतों से सभी को ऊर्जा मिल रही है| सरकार को और मनुष्य को अपना एक विजन रखना चाहिए| सभी मनुष्यों को भविष्य के लिए ऊर्जा संरक्षित करनी चाहिए| परंपरागत ऊर्जा के स्रोत सीमित हैं| अतः भविष्य में हमें गैर परंपरागत ऊर्जा के स्रोतों की ओर बढ़ना चाहिए| देश में जनसंख्या में वृद्धि हो रही है और यह जनसंख्या वृद्धि अनियंत्रित रूप से बढ़ रही है, जिसके कारण सीमित ऊर्जा के स्रोतों पर अधिक भार पड़ रहा है| महिलाओं की भागीदारी गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतों में अधिक बढ़ सकती है| ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित करने के लिए महिलाओं का महत्व है| परमाणु ऊर्जा और प्रदूषण रहित ऊर्जा की ओर बढ़ना जरूरी है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी होगी| ऊर्जा क्षेत्र में 32% महिलाएं कार्यरत हैं| अतः ऊर्जा क्षेत्र के उद्योगों के विकास के लिए जरूरी है कि इस क्षेत्र में जेंडर गैप को कम किया जाए| महिलाओं को सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, लघु जल ऊर्जा, समुद्री लहरों से ऊर्जा आदि, इन क्षेत्रों में अपनी भूमिका बढ़ानी चाहिए| ऊर्जा के उपयोग से महिलाओं के स्वास्थ्य में वृद्धि होगी क्योंकि प्रदूषण से सबसे अधिक हानि महिलाओं को होती है| अब समय आ गया है कि महिलाओं की भूमिका केवल उपभोक्ता की ना रहे बल्कि क्षेत्र में वह अपने उद्यम स्थापित कर सकें| महिलाओं के रहन-सहन और जीवन स्तर में सुधार के लिए नवकरणीय उर्जा अत्यधिक जरूरी है| महिलाएं बैंक से लोन लेकर और समूह बनाकर उद्यमिता का विकास कर सकती हैं| महिलाओं की भूमिका ऊर्जा क्षेत्र में बनाने के लिए तीन महत्वपूर्ण बिंदु हो सकते हैं:

नंबर-1 एक गैर परंपरागत ऊर्जा के क्षेत्र का प्रचार प्रसार किया जाए

2. ऊर्जा क्षेत्र में स्टार्टअप स्थापित कर रोजगार सृजित किए जाएं
3. प्रौद्योगिकी उन्नयन एवं मॉडल में सुधार कर स्वच्छ ऊर्जा की ओर महिलाओं को अग्रसर होना चाहिए।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सुमन लता द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय का प्राध्यापक, स्टाफ, अभिभावक एवं विद्यार्थी, सतीश पाल, फैन खान, अलबेला अंसारी, फहद, ऋतु सैनी, पूजा, सकील, सतीश, सिमरन, सुफियान आदि उपस्थित रहे।

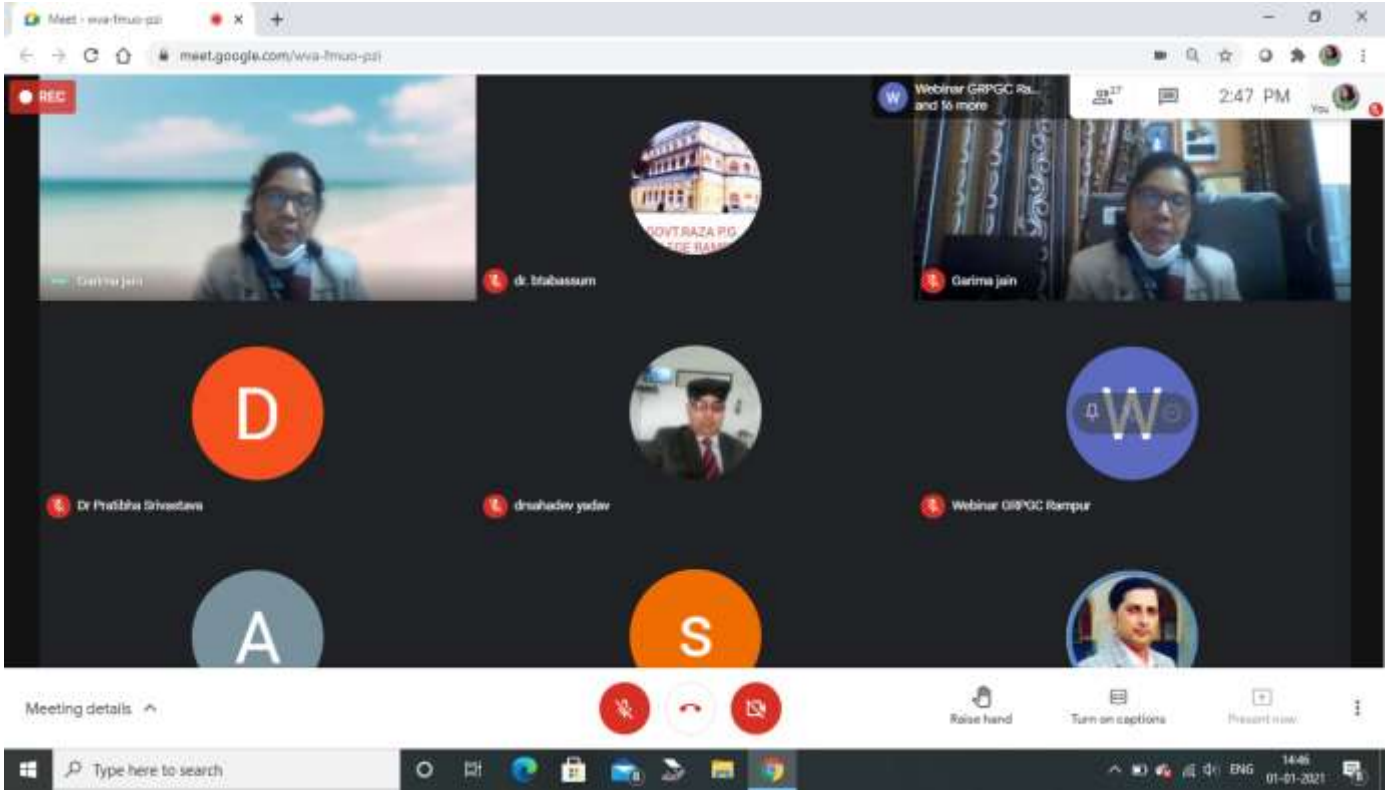

Principal
Govt. Raza P.G. College
Rampur (U.P.)